तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो हुक्म की तामील में जारी हुए
28/1/25	पत्रावली पेश हुई। वकील उभय पक्ष उपस्थित। जवाब हेतु अवसर चाहा जो दिया गया पत्रावली वास्ते जवाब में दिनांक 5/3/25 को पेश हो। 28/1/25	
5/3/25	पत्रावली पेश हुई/वकील उभय पक्ष एवं गवाह श्री...... अधिवक्तागण ने उपस्थित...... न्यायालय कार्य का बहिष्कार किया गया ...... अतः पत्रावली पूर्वादेशानुसार दि...... 20/3/25 को पेश हो।	
20/3/25	पत्रावली पेश हुई। वकील उभय पक्ष उपस्थित। वकील उभय पक्ष को सुना गया। वकील उभयपक्ष प्रार्थना पत्र में वर्णित आराजी को मूल वाद के निस्तारण तक यथास्थिति हेतु सहमत है। इसलिए प्रार्थना पत्र के चरण संख्या-2 में वर्णित मौजा मंगलवाड के खाता संख्या 217 में वर्णित आराजी नम्बर 2587/27, 2588/27 किता आराजी 2 कुल रकबा 0.8700 है. एवं खाता सं. 687 मे वर्णित आराजी नम्बर 2586/27 रकबा 2.9900 है. भूमि स्थित है जो प्रार्थीगण की पैतृक पुश्तैनी की है। खाता सं. 217 में वर्णित आराजीयात में प्रत्येक प्रार्थीगण का अलग-अलग 9/40 हक हिस्सा प्रार्थी संख्या 1 व 2 का बनता है, प्रार्थी संख्या 3 का 1/20 हक हिस्सा है तथा विपक्षी सं. 1 का 1/2 हक हिस्सा है। तथा खाता संख्या 687 में प्रार्थी संख्या 1 व 2 का अलग-अलग 3029/13200 हक हिस्सा एवं प्रार्थी संख्या-3 का 163/3450 हक हिस्सा है एवं विपक्षी संख्या-1 का 159/320 हक हिस्सा है। अतः प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया जाता है। तथा दोनों पक्षों को अस्थायी निषेधाज्ञा के स्थगन आदेश से पाबंद किया जाता है कि मौका एवं राजस्व रिकार्ड की यथास्थिति मूल वाद के निस्तारण तक बनाये रखे। पत्रावली फैसल शुदा होकर नाथ[illegible] 20/3/25 उपखण्ड अधिकारी डूंगला	

उपखण्ड अधिकारी डूंगला जि. चित्तौडगढ

Signature Not Verified
Digitally signed by Ishwar Lal Khatik
Date: 2025.04.01 12:22:14 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with OKEN Scanner